१२ गंगा की कहानी

कहानी सारांश

गंगा जी का जन्म हिमालय की गोद में उत्तरकाशी जिले के गंगोत्री हिमनद से होता है। गोमुख से निकलने पर इन्हें भागीरथी भी कहा जाता है। देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलकर इनका रूप और विशाल हो जाता है। ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे तीर्थस्थलों से होकर बहते हुए गंगानहर लाखों खेतों की सिंचाई करती है।

कानपुर जैसे औद्योगिक नगर को गंगा जल से कारखानों के लिए पानी मिलता है। प्रयागराज में गंगा और यमुना का संगम होता है, जहाँ कुंभ का मेला लगता है। आगे वाराणसी (काशी) पहुँचकर गंगा कई नदियों को अपने में समेट लेती है और बिहार से होते हुए पश्चिम बंगाल पहुँचती है। यहाँ से गंगा की एक धारा बांग्लादेश में पद्मा नाम से और दूसरी धारा कोलकाता में हुगली नाम से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में समा जाती है।

भारतवासी गंगा को पवित्र मानते हैं। गंगोत्री से निकलते समय गंगा का जल निर्मल और चमकीला होता है, परंतु शहरों और कारखानों के गंदे पानी से यह मैला हो जाता है। अब गंगा को शुद्ध करने के प्रयास हो रहे हैं और गंगा उस दिन की प्रतीक्षा कर रही है जब उसका जल फिर से उतना ही स्वच्छ और निर्मल होगा जितना उसके उद्गम स्थल पर होता है।

मुख्य संदेश:

- गंगा हमारी पवित्र नदी है जो हमें जीवन देती है। हमें इसे गंदा नहीं करना चाहिए और हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।

शब्दार्थ

- **गोमुख** – गंगा का उद्गम स्थल (जहाँ से गंगा निकलती है)
- **भव्य** – बहुत बड़ा और सुंदर
- **तीर्थयात्री** – धार्मिक यात्रा करने वाला व्यक्ति
- **तपस्या** – कठिन साधना या भगवान की आराधना
- **भागीरथी** – गंगा का नाम (राजा भगीरथ के कारण पड़ा नाम)
- **ढुलकती** – नीचे की ओर बहती हुई
- **जनपद** – किसी राज्य का एक प्रशासनिक क्षेत्र,
- **हिमनद** – हिमानी, ग्लेशियर,
- **निखरना** – और सुंदर व स्पष्ट होना
- **चट्टानें** – बड़े-बड़े पत्थर
- **देवप्रयाग** – स्थान जहाँ गंगा और अलकनंदा नदी मिलती हैं
- **आश्रम** – साधु-संतों का निवास स्थान
- **कुंभ मेला** – बारह वर्ष में एक बार लगने वाला बड़ा धार्मिक मेला
- **नहर** – खेतों तक पानी पहुँचाने के लिए बनाई गई कृत्रिम धारा
- **औद्योगिक** – कारखानों से संबंधित

www.onepointlearning.com

- **कारखाने** – एक ऐसी जगह जहाँ कोई चीज़ बनाई या तैयार की जाती है,
- **संगम** – दो या तीन नदियों का मिलन स्थल
- **तीर्थ** – पूजा या स्नान करने का धार्मिक स्थान
- **चमकीला** – चमकने वाला
- **मटमैला** – मिट्टी के रंग का
- **धारा** – नदी का बहाव / बहती हुई जलधारा
- **खाड़ी** – समुद्र का वह भाग जो भूमि के अंदर तक फैला हो
- **पवित्र** – शुद्ध, धार्मिक रूप से श्रेष्ठ
- **प्रतीक्षा** – इंतज़ार
- **निर्मल** – साफ और शुद्ध
- **दूषित** – गंदा, अशुद्ध

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. नीचे दिए गए चित्र को देखिए और इसमें दिखाए गए पानी के स्रोत का नाम बताइए –

© NCERT not to be republished

उत्तर:

2. **आपके निवास स्थान के आस-पास कौन-सी नदी/नदियाँ बहती है/हैं?**

   उत्तर: मेरे निवास स्थान के पास ____ नदी बहती है।

   (बच्चे अपने क्षेत्र की नदी का नाम लिख सकते हैं, जैसे – गंगा, यमुना, गोमती, साबरमती, नर्मदा आदि।)

3. **आपके घर में पानी कहाँ से आता है?**

   उत्तर: मेरे घर में पानी नल / हैंडपंप / बोरवेल / टंकी से आता है।

4. **आप नदियों के जल को प्रदूषित होने से किस प्रकार बचा सकते हैं? इस बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।**

   उत्तर: हम नदियों का पानी गंदा होने से इन तरीकों से बचा सकते हैं –

   - नदी में कूड़ा–कचरा नहीं डालेंगे।
   - कारखानों का गंदा पानी नदी में नहीं जाने देंगे।

- नदियों में कपड़े धोने या जानवर नहलाने से बचेंगे।
- नदी किनारे स्वच्छता रखेंगे।
- पेड़-पौधे लगाएँगे ताकि नदी का जल शुद्ध बना रहे।

पाठ से

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर जल की बूंद का चित्र ( ) बनाइए। एक से अधिक विकल्प भी सही हो सकते हैं –

(क) "मेरा जन्म हिमालय की गोद में हुआ था।" इस वाक्य में 'मेरा' शब्द किसके लिए आया है?

(i) गोमुख ☐ (iii) पर्वत ☐

(ii) गंगा नदी ✹ (iv) नगर ☐

(ख) "लेकिन मुझे अब इस बात की प्रसन्नता है कि इस ओर लोगों का ध्यान गया है।" यहाँ किस ओर ध्यान जाने की बात कही गई है?

(i) गंगा में प्रदूषण की ओर ✹

(ii) गंगा के चमकीले रंग की ओर ☐

(iii) गंगा जल की पवित्रता की ओर ☐

(iv) गंगा की धाराओं की ओर ☐

(ग) जल प्रदूषण किन कारणों से होता है?

(i) कारखानों और नगरों द्वारा नदियों में डाले जाने वाले अपशिष्ट से ✹

(ii) कारखानों के धुएँ से ✹

(iii) नदी तथा तालाब में स्नान करने से ☐

(iv) तेज आवाज में भोंपू बजाने से ☐

(घ) "यहाँ यमुना से मेरा संगम होता है।" इस वाक्य में 'संगम' शब्द का भाव है –

(i) एक से अधिक नदियों का आपस में मिलना ✹

(ii) विपरीत दिशा की ओर बहना ☐

(iii) दो धाराओं में बँट जाना ✹

(iv) दो धाराओं का मिलकर बहना ☐

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए –

(क) गंगा नदी के किनारे बसे कुछ नगरों के नाम लिखिए।

उत्तर: गंगा नदी के किनारे बसे कुछ प्रमुख नगर गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी (काशी), पटना, भागलपुर और कोलकाता (हुगली) हैं।

www.onepointlearning.com

(ख) गंगा के तट पर बसे औद्योगिक नगरों से गंगा को क्या हानि हुई है?

उत्तर: गंगा के तट पर बसे औद्योगिक नगरों (जैसे कानपुर) और शहरों का गंदा पानी और कारखानों का अपशिष्ट गंगा नदी में डाला जाता है, जिससे गंगा का चमकीला जल दूषित हो गया है और उसका रंग मटमैला हो जाता है।

(ग) कुंभ का मेला कब-कब और कहाँ-कहाँ लगता है?

उत्तर: कुंभ का मेला प्रत्येक बारहवें वर्ष हरिद्वार और प्रयागराज (जहाँ यमुना से संगम होता है) में लगता है।

(घ) "गंगोत्री से निकलते समय मेरा चाँदी जैसा चमकीला रूप रहता है। किंतु मुझे दुख है कि काशी पहुँचते-पहुँचते मेरा चमकीला रंग मटमैला हो जाता है।" उपर्युक्त वाक्य से संबंधित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(i) यहाँ पर चाँदी जैसे चमकीले रूप से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: चाँदी जैसे चमकीले रूप से तात्पर्य गंगा के स्वच्छ, निर्मल और पवित्र जल से है, जैसा वह उद्गम स्थान गंगोत्री में होता है।

(ii) काशी पहुँचते-पहुँचते गंगा का चमकीला रंग मटमैला क्यों हो जाता है?

उत्तर: काशी पहुँचते-पहुँचते कारखानों और शहरों का गंदा पानी गंगा के जल को दूषित कर देता है, जिसके कारण उसका चमकीला रंग मटमैला हो जाता है।

3. पाठ के आधार पर सही कथन के आगे (✓) का और गलत कथन के आगे (✗) का चिह्न लगाइए –

(क) गंगा के किनारे कई तीर्थ स्थान हैं। ✓

(ख) गंगा का जन्म अरावली की गोद में हुआ है। ✗

(ग) कारखानों का गंदा पानी गंगा के जल को दूषित कर रहा है। ✓

(घ) गंगा का एक नाम भागीरथी है। ✓

(ङ) पश्चिम बंगाल में गंगा की तीन धाराएँ हो जाती हैं। ✗

मिलान कीजिए

स्तंभ 'क' और स्तंभ 'ख' का आपस में मिलान कीजिए –

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
गंगा का उद्भव	वाराणसी
देवप्रयाग	गोमुख
औद्योगिक नगर	पद्मा नदी
बांग्लादेश	अलकनंदा
तीर्थ स्थल	कानपुर

www.onepointlearning.com

उत्तर:

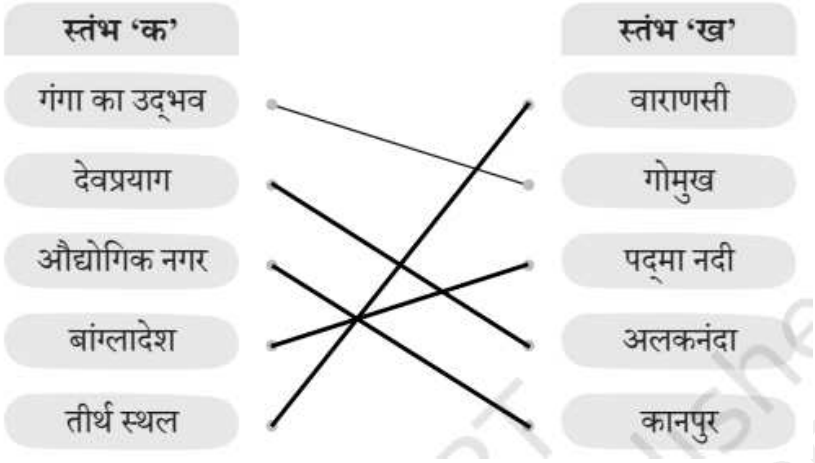

भाषा की बात

1. **इस वाक्य को पढ़िए —**

   "यहाँ यमुना से मेरा संगम होता है।"

   इस वाक्य में 'होता' शब्द 'होना' क्रिया का रूप है।

   निम्नलिखित वाक्यों में 'होना' क्रिया के विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए —

   (क) आप जब भी आते हैं, मुझे बहुत प्रसन्नता होती है।

   (ख) कुंभ के मेले में लाखों लोग सम्मिलित होते हैं।

   (ग) आपके माता-पिता आपकी प्रतीक्षा कर रहे होंगे।

   (घ) पहाड़ों का मौसम बड़ा सुहावना होता है।

   (ङ) यह काम कल ही होना था परंतु किसी कारण से नहीं हो पाया।

2. **पाठ में 'हिमालय' शब्द 'हिम' और 'आलय' शब्दों से मिलकर बना है। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों को 'आलय' से मिलाकर नया शब्द बनाइए–**

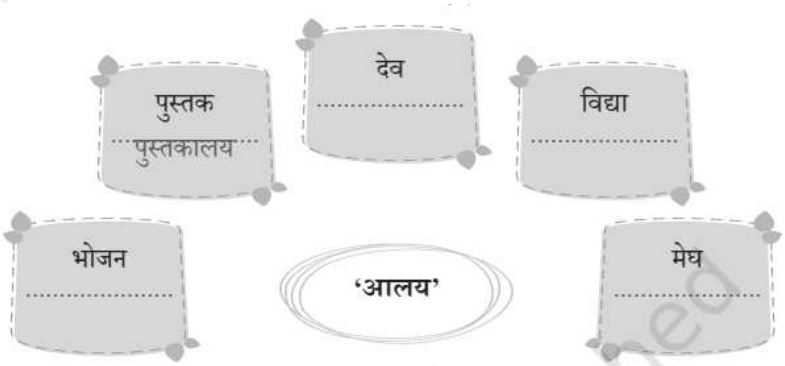

अब अपने बनाए हुए शब्दों का अपनी लेखन – पुस्तिका में वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर:

वाक्य प्रयोग

i. मैं रोज़ **पुस्तकालय** जाकर किताबें पढ़ता हूँ।

ii. हम रविवार को **देवालय** में पूजा करने गए।

iii. मेरा भाई एक अच्छे **विद्यालय** में पढ़ता है।

iv. हमने सफर में एक **भोजनालय** में खाना खाया।

v. उत्तर–पूर्व भारत में एक राज्य है जिसका नाम **मेघालय** है।

3. नीचे गंगा नदी के दृश्य में कुछ शब्द लिखे गए हैं। इन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए-

उत्तर : गंगा नदी का जन्म **हिमालय** में **गोमुख** से होता है। गंगा का जल बहुत **निर्मल** और **चमकीला** होता है। भारतवासी गंगा को बहुत **पवित्र** मानते हैं। गंगा के **तट** पर हरिद्वार, ऋषिकेश और वाराणसी जैसे बड़े **तीर्थ** और **प्रसिद्ध नगर** बसे हुए हैं। गंगा का **जल** पीने, स्नान करने और खेतों की सिंचाई करने में काम आता है। कई **औद्योगिक** नगर भी गंगा से पानी प्राप्त करते हैं। गंगा के किनारे का वातावरण बहुत सुंदर और **शांत** दिखाई देता है।

4. "मैं काम कर रहा हूँ।"

"मेरे कर में लेखनी है । "

यहाँ पहले वाक्य में 'कर' शब्द का प्रयोग क्रिया के रूप में हुआ है तथा दूसरे वाक्य में 'कर' शब्द का अर्थ 'हाथ' है। 'कर' का एक अन्य अर्थ 'टैक्स' भी होता है। इस प्रकार आपने देखा कि अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग के कारण एक ही शब्द के भिन्न-भिन्न अर्थ हो सकते हैं।

अब आप भी अपनी पाठ्यपुस्तक और अन्य स्रोतों से ऐसे शब्दों की एक सूची तैयार कीजिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

उत्तर: अनेकार्थक शब्द और वाक्य प्रयोग

- **कन्या**
  - (लड़की) : कन्या स्कूल जा रही थी।
  - (राशि) : मेरी राशि कन्या है।
- **नल**
  - (जल निकालने का साधन) : हमारे घर में पानी का नल लगा है।
  - (पक्षी) : तालाब में एक सुंदर नल तैर रहा है।
- **पत्र**
  - (चिट्ठी) : पिताजी ने मुझे एक पत्र लिखा।
  - (पत्ता) : पेड़ से हरा-हरा पत्र गिर रहा है।
- **राजा**
  - (शासक) : अकबर एक महान राजा था।
  - (ताश का पत्ता) : मेरे पास ताश का राजा है।
- **माला**
  - (जप) : दादी माला जप रही थीं।
  - (हार) : मंदिर में फूलों की माला चढ़ाई गई।
- **पार**
  - (किनारा) : नाव नदी के पार पहुँच गई।
  - (सहन करना) : यह दुःख मेरे लिए असह्य पार है।

www.onepointlearning.com

समझ और अनुभव

1. **गंगा नदी के साथ तीर्थ स्थलों के जुड़ने के क्या कारण हो सकते हैं?**

   उत्तर: गंगा नदी के साथ तीर्थ स्थलों के जुड़ने के कई कारण हैं। भारतवासी गंगा को पवित्र और देवी स्वरूप मानते हैं। गंगा का निर्मल जल लोगों की श्रद्धा और आस्था का प्रतीक रहा है, इसलिए लोग यहाँ स्नान करके पुण्य कमाना चाहते हैं। इसके अलावा, नदी के किनारे का शांत और प्राकृतिक वातावरण साधु-संतों को तपस्या के लिए आकर्षित करता रहा है।

2. **यदि नदियाँ दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होती रहेंगी तो हम पर क्या प्रभाव पड़ेगा?**

   उत्तर: यदि नदियाँ प्रदूषित होती रहेंगी, तो:

   - हमें पीने और सिंचाई के लिए साफ पानी मिलना बंद हो जाएगा।
   - नदियों में रहने वाले जीव-जंतु (मछलियाँ आदि) नष्ट हो जाएँगे।
   - गंदे पानी से बीमारियाँ फैलेंगी।
   - पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाएगा।

3. **पाठ में 'कानपुर' को भारत का प्रसिद्ध औद्योगिक नगर कहा गया है। यहाँ 'औद्योगिक नगर' से क्या आशय है?**

   उत्तर: 'औद्योगिक नगर' से आशय ऐसे नगर से है जहाँ बड़े-बड़े कारखाने (उद्योग) लगे होते हैं। कानपुर में कपड़े, चमड़े और लोहे के कारखाने हैं, इसलिए इसे औद्योगिक नगर कहा गया है।

कलाकारी

नीचे 'जल संरक्षण' विषय पर एक चित्र दिया गया है। आप भी दिए गए स्थान पर कोई चित्र बनाकर जल संरक्षण का एक उपाय सुझाइए—

उत्तर:

गंगा से बातचीत

गंगा अपने चमकीले रंग को मटमैला होते देखकर दुखी है। यदि आपको कभी गंगा नदी से बात करने का अवसर मिले तो आपकी क्या बातचीत होगी?

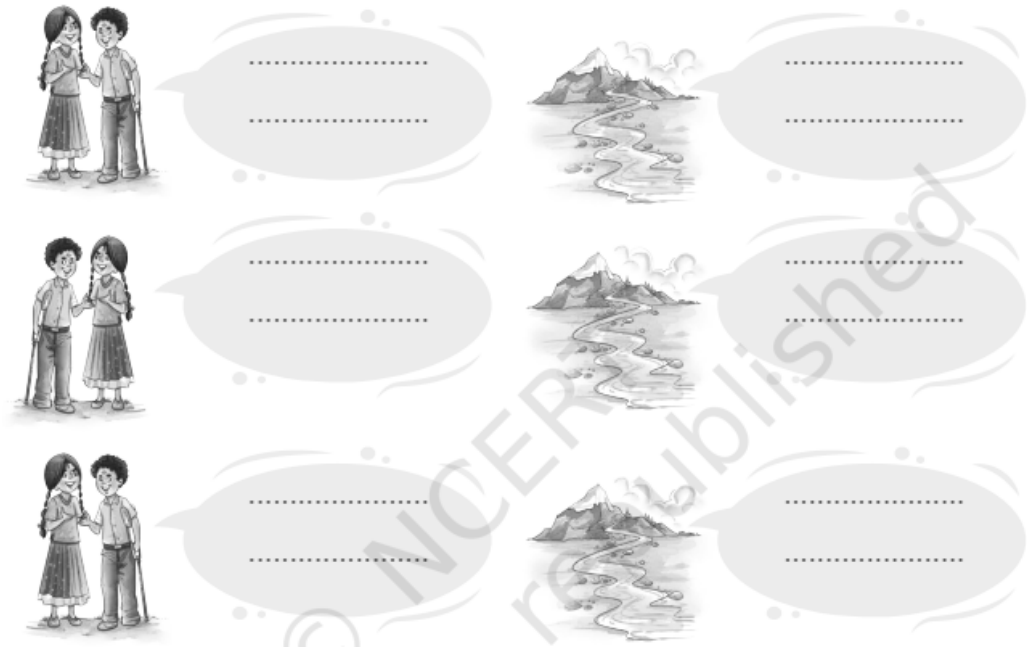

उत्तर: गंगा से बातचीत

गंगा : बच्चो! मेरा जल गंगोत्री से निकलते समय कितना चमकीला और निर्मल होता है, लेकिन शहरों तक पहुँचते– पहुँचते यह मटमैला क्यों हो जाता है?

बच्चे : माँ गंगे! लोग आपको गंदा कर देते हैं। वे कूड़ा–कचरा, कारखानों का गंदा पानी और पूजा–सामग्री भी आपके जल में डाल देते हैं।

गंगा : मुझे बहुत दुख होता है। मैं तो सबको जीवन देने आई हूँ, लेकिन लोग मुझे ही गंदा कर देते हैं।

बच्चे : आप चिंता मत कीजिए माँ गंगे! अब हम सब मिलकर आपको गंदा नहीं होने देंगे। हम आपके तटों को स्वच्छ रखेंगे, कूड़ा नहीं डालेंगे और सबको समझाएँगे कि आपका जल बचाना ज़रूरी है।

गंगा : अगर तुम सब ऐसा करोगे तो मुझे बहुत प्रसन्नता होगी। उस दिन मेरा जल फिर से उतना ही निर्मल और चमकीला हो जाएगा जितना गंगोत्री में होता है।

पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

1. **विद्यालय के पुस्तकालय, अभिभावकों तथा अन्य स्रोतों से गंगा की सहायक नदियों के बारे में पता लगाइए। साथ ही यह भी पता कीजिए कि उनका उद्गम स्थान कौन-सा है और उनके किनारे कौन-कौन से प्रसिद्ध नगर स्थित हैं।**

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

उत्तर: गंगा नदी की कई प्रमुख सहायक नदियाँ हैं, जो इसके जलग्रहण क्षेत्र में आती हैं। इन नदियों का उद्गम स्थान और किनारे स्थित प्रमुख नगर निम्नलिखित हैं:

सहायक नदी	उद्गम स्थान	प्रमुख नगर/तीर्थ स्थल
• **यमुना**	- यमुनोत्री, उत्तराखंड	→ दिल्ली, इलाहाबाद (प्रयागराज), मथुरा, आगरा
• **रामगंगा**	- उत्तराखंड	→ मुरादाबाद, बिजनौर
• **गोमती**	- उत्तराखंड	→ लखनऊ, सुलतानपुर
• **घाघरा**	- नेपाल	→ अयोध्या, बलरामपुर
• **कोसी**	- नेपाल	→ सुपौल, सहरसा
• **गंडक**	- नेपाल	→ मुजफ्फरपुर, बेतिया
• **सोन**	- मध्य प्रदेश	→ पटना
• **तोंस**	- मध्य प्रदेश	→ वाराणसी
• **वर्णा**	- वाराणसी के पास	→ वाराणसी

2. नदियों को साफ करने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में पता कीजिए। इसके लिए आप पुस्तकालय, शिक्षकों-अभिभावकों एवं अन्य स्रोतों की सहायता ले सकते हैं।

उत्तर: भारत सरकार ने नदियों की सफाई और संरक्षण के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं। इनमें प्रमुख योजना है:

नमामि गंगे मिशन (Namami Gange Programme - NMCG)

- **लक्ष्य**: गंगा और उसकी सहायक नदियों की सफाई, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण, और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र का पुनर्निर्माण।
- **शुरुआत**: जून 2014 में
- **बजट**: ₹20,000–22,500 करोड़ (2014–2026 तक)
- **मुख्य कार्य:**
  - सीवेज उपचार संयंत्रों की स्थापना और उन्नयन
  - नदी के किनारे विकास (River-Front Development)
  - नदी की सतह की सफाई
  - जैव विविधता संरक्षण
  - वनरोपण और जल संरक्षण
  - औद्योगिक अपशिष्टों की निगरानी
  - गंगा ग्राम योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान

www.onepointlearning.com

आपकी अभिव्यक्ति

दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और इस पर आधारित कोई अनुच्छेद, कहानी अथवा कविता अपने शब्दों में लिखिए

उत्तर: अनुच्छेद-

प्रकृति का अनुपम दृश्य

यह दृश्य प्रकृति की अद्भुत सुंदरता को दर्शाता है। चारों ओर हरे-भरे पहाड़ दिखाई दे रहे हैं, जिनकी चोटियाँ मानो आसमान से बातें कर रही हैं। इन विशाल पहाड़ों के बीच से एक नदी बलखाती हुई आगे बढ़ रही है। नदी का जल अत्यंत निर्मल और चमकीला है, जिसमें आस-पास के वृक्षों और आकाश का सुंदर प्रतिबिंब दिखाई दे रहा है। नदी के किनारों पर लगे घने वृक्ष वातावरण को और भी शांत तथा मनमोहक बना रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे यह स्थान दुनिया के शोरगुल से बहुत दूर है। यह मन को शांति और आँखों को शीतलता प्रदान करने वाला एक ऐसा दृश्य है, जो हमें इस सुंदर पर्यावरण को हमेशा स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

कविता-

पहाड़ों की नदियाँ

ऊँचे-ऊँचे पर्वत खड़े हैं,
हरियाली ओढ़े सब अड़े हैं।
बादल इनको छूकर जाते,
सूरज की किरनें मुस्काते।

पर्वत की गोदी से निकली,
छोटी सी नदी है चंचली।
पत्थर से टकराती जाती,
मीठी-मीठी धुन गाती।

बलखाती-इठलाती चलती,
आगे बढ़ती, न कहीं रुकती।
निर्मल इसका जल है प्यारा,
भर देती है जग को सहारा।

नाव चली है लेकर दो जन,
शांत नदी और शांत है मन।
यह प्रकृति का दृश्य सुहाना,
हमें सिखाता खुशी कमाना।

www.onepointlearning.com